

टिकाकरण क नई जानकारी सबके बिना....

टीका आधुनिक भारत क कवचकुंडल बा।. सब लडिक्यन के सभ्य टीका तुरंत लगवावा।. ऐसे कुल लडिक्यन क बिमारी, दवाई क खर्च, मरब टली।. असमाले क आरोग्य सेवा क बोझ कम होथ।. देश क स्वाथ सुधरी।. देश के कुल लडिक्यन के नागरिकन के जीयय क हक्क बां।. संविधान ई हक्क ओन्हनके दिये बा।. लडिक्यन के हक्क पे ई दस्तावेज पे भारत हस्ताक्षर किहेबा, दुनिया के 121 देश के लडिक्यन के साथ स्वस्थ जीवन जिययक हक्क दिया बा।. जियय बीना कुल टीका मिलब ई ओन्हनक हक्क

बा।. ओन्हन के देब आपन कर्तव्य बा।. सभ्य टीका के साथ।.

इंडियन एंकेडमी ऑफ पेडिआट्रिक्स ई लडिक्यन के डाक्टरन क संघटना बा।. ओन्हन बताएन टॉइफाईड टीका सभ्य लडिक्यन के दिहल जायी।. सरकार के टिकाकरण कार्यक्रम में ही ई टीका लगावा जाई।.

औरतन अऊर लडिक्यन के कल्याण बीना 10 प्रतिशत निधि उपलब्ध रहथ।. नगरपालिका जिल्हापरिषद सब के पास

होथ।. ई निधीक उपयोग हल्जी कुकू (सुहाग क टिकका) जईसन कार्यक्रम के बीना प्रयोग किहा जाथ।. अईसन कवनव बडा सहकारी अधिकारी कहे बा।. ऐकर उपयोग टीकाकरण के बीना करयं के चाहीं।.

अपने सक्के ई बताव्य के चाही।. टीकाकरण के कम पर्ईसा से सबसे ज्यादा आरोग्य क रक्षण होथ।. आज हिन्दुस्थान बीमार स्थान

बन ग्यल बा। ओके टीकाकरण स्थान बनवाव्यं। टीक्का न लगवाव्यसे होव्यवाली बीमारि से लडिक्यन मरथेन, ओन्हन के बचाव्य बीना अस्पताल 24 घंन्टा कम करथं। टीकाकरण सेवा 24 घंन्टा शुरू रख्यसे गंभीर बीमारी अऊर मृत्यु कम होई अऊर अस्पतालेक जरुरत कम पडीं। टीकाकरण बीना आरोग्य (स्वास्थ) केंद्र

24 घंन्टा खुला रहय के चाहीं। बिना दर्दे क इंजेक्शन:- इंजेक्शन क आधुनिक सुई छोट अऊर एकदम नुकीली रहथं। मच्छर के काटय जितना दर्द होथ उतन्य ऐसे होथ। सुई लगाव्यसे पहिले स्पिरिट लगावथेनं। गिला चमडी पे सुई लगाव्यसे दर्द होथ। स्पिरिट के सुखय पे सुई लगाव्य से दर्द नाय होत। सबके ई बताव्य। लडिक्याँ के महतारी के गोद में रखके

सुई दां। ऐस्से ओके दर्द कम होई। पेट भरलं रही तब सुई लगाव्य पे कम दर्द होई। ऐहिबीना हमेशा दूध पियय के या शक्कर, मिठाई, चना खाएके 5 मिनट बाद सुई लगाव्यं। पांच साल से कम उम्रवाले लडिक्यन के जाघेंमें इंन्जेक्शन लगाव्य बीना कहं। गोडें क नस कमर में होथं। सुई लगवत्य लडिक्यन हिलथेनं। नस के हानी पहुँचय पे गोड हमेशा के बीना टेढ होथ। ऐसे

बच्यं। आज हर दसवा आदमी क गोड टेढा पडथं। ओकर चप्पल बहरे के बाजू से ज्यादा घसथं। अईसन हमार सक्कर अध्ययन बा। सोबत लडिक्याँ के टिका लगाऊब ज्यादा अच्छा बा । ओकर निन्द टुटथ लेकिन तुरंतय सुत जाथं। हर महिना जन्म दिन के तारिख पे टिक्का लगावाव। लडिक्याँ क वजन उंचाई अऊर भेजा क विकास नाप्य बीना सिर क घेरा नापके

ओकर चार्ट
भरय बिना
जन्म तारिख
ज्यादा अच्छा
बा।. महतारी
-बाप ई दिन
कभव नाय
भुलतेनं।.
पहिले साल हर
महिना अऊर
ओकरे बाद 18
साल तक हर
तीन महिना
बाद ई चार्ट
भरयं।. विकास
क चार्ट
लडिक्यॉ के
विकास क चार्ट
दर्शावथष जवन
की उत्तम
विकास क
टीका बाटयं।.

जन्म दिन
पे भेट में टीका
देयं ः-

टीका कवच
कुंन्डल बा।. ई
गहना

लडिक्यन बीना
अच्छा भेट
बा।. ई सबके
बताव्यं अऊर
स्कूल में
दाखिला से
पहिले
टाईफाईड
(विषमज्वर) क
टीका
लगावाव्यं।.

चिदंबरम
गांव क
डॉ.शिवप्रकाश
ऐनकर जांच ई
दर्शावथ की
ज्यादा लडिक्यॉ
असफल होऊब,
पढाई मे पिच्छे
रहब ऐकर
कारण
टाईफाईड के
होव्यसे कई
दिना तक
स्कूल में खाडा
होथ।. ऐहिबीना
स्कूलीमें
दाखिला
दियाव्य से

पहिले
टाईफाईड क
टीका लगाऊब
अनिवार्य कई
देव्य के चाही।.
ई टीका हर
तीन साल बाद
देव्यक जरूरी
बा।.

25 साल में
हमसभे जेतना
गंभिर रूप से
बीमार
लडिक्यन
देखेहं, या
जेकर मृत्यु
होय गईलं,
ओम्मा से
ज्यादा तर
टाईफाईड
वालन रहेनं।.
जेम्मा डॉक्टर
अऊर बडा
लोगन क
लडिक्यॉ भी
रहेनं।. जवने
महतारी -बापे
के अपने
लडिक्यॉ से

प्यार बा
ओन्हन के
अपने लडिक्यॉ
के टाईफाईड क
टिका लगाव्य
के चाही।.

सबसे अच्छा
टाईफाईड क
टीका
'हाफकीन' नाम
क कम्पनी
रहीहं।. अपने
क्षेत्र के
विधायकन द्वारा
या जानकार
अधिकारी से
बनाव्य बीना
कहं।.

भारत में 85
फिसदी
लडिक्यन अऊर
बडकन दुबर-
पतिर बाऐनं।.
जरूरत
मुताबिक
अन्नाज
(खाना) न
मिल्य के वजह

से दुबर दान्ना से, टालयवाली आपन सभे
 रहथेनं। चावल से भरल स्वास्थ्यशिक्षण आपन वोट
 जेबेमें चन्ना, जेब ई नामक ई टीका रखय बिना
 मुंगफली या कमजोरी सबके दं। चुनाव में केहूके
 कवनव भी भगाव्य क अशोक अऊर चुनके देथी।
 अन्नाज रखय टीका बा। ई बुद्ध के पुराणे ओके
 से अऊर दिना कमजोरी पे काल में युरोप लोकप्रतिनिधी
 भर खाएसे 100 फीसदी जंगली रहा। (नेता)
 दुबर लडिक्यॉ गुणकारी अपने ईहॉ कहथेन। सब
 अऊर दुबर रामबाण दवाई सुवर्णयुग रहा। लडिक्यन के
 आदमी शरीरीसे बा। युरोप में सब टीका
 स्वस्थ बन बीमारी अऊर सरकार के
 सकथेनं। स्वास्थ्य के तरफ से
 सौदिना में बारेमें सिखयं, होशियार तुरन्तय
 स्वस्थ बन बिमारी हटीं। बनाएन। अपने लगावाव्य के
 सकथेनं। बीमारी होव्य पे से आगे निकल चाही।
 कच्चा चावल जल्दी ठीक टाईफाईड,
 रखय से भी ई होऊब अऊर पे ओन्हने राज एम.एम.आर से
 होय सकथं। निरोगी रहब किहेनं। चल शुरूवात होय ई
 (चावल क सिखबं। ईस्य आपन सभेभी हमार विचार
 कंकड चूनते आरोग्य (स्वास्थ्य) रोज नया (सोच) बा।
 वक्त मेहरारु शिक्षा बा। आप अईस्न
 कच्चा चावल स्वास्थ्य अऊर किताब पढी। प्रस्ताव रख या
 खाथिनं। बिमारी के सबके सिखाई, बिन्ती कर।
 ओन्हन के पेट में दर्द नाय विषय में सिख, मिलके, 50
 होत।) सबके सिखाव करी। पैसे क
 खाएके चिजी अऊर ज्यादा जनता के मत पोस्टकार्ड से
 से, चन्ना बीमारी से राज चलथ। एस.एम.एस.,
 ई-मेल या फोन

से अपने नेता के आह्वान (प्रेरित) करा। आपन नेता दयालू बाएन। ओन्हने खुशी से आपन बिन्ती स्वीकार कई सभ्य तरह क टीका मुफ्त में देव्यक व्यवस्था करयं।

2001 के जनगणनानुसार भारत क 49 प्रतिशत जगगिणती जनसंख्या जेंकर बा तवने लडिक्यन बीना सरकार क आधा पईसा खर्च होव्यके चाही। आधा विधायक, पत्रकार लडिक्यन बीना काम करय के

चाही। लडिक्यन के कम से कम पुरा टिका मिल्यके चाही। बीना आवाज नोट अऊर व्होट के 49 फिसदी लडिक्यन के महतारी -बाप बनके ओन्हनके सब टीका उपलब्ध कराय के चाही।

लडिक्यन आपन बाएन, सरकार क नाही, सरकार जब देई तब देई। आजय आपन सभे अपने लडिक्यन क टीकाकरण करी अऊर ई जानकारी सब जनेके,

कामवालान के, पेपरवालान के, दूधवाला, भाजिवाला, पोस्टमैन आदि सबके देयं।

सब भारतीय भाषामें भाषण, लेख, एस.एम.एस., ई मेल, टी.व्ही., रेडिओ,

पेपर के साह्यता से 113 करोड भारतीयन के ई जानकारी देयं। ईह्य इश्वर सेवा बा। एके परधर्म कहथेनं। परोपकार से बढके कवनव पुण्य नाही बा। ई करयं।